शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के लिए देशभर से वर्धा में जुटेंगे समाज वैज्ञानिक

श्रीलंका के गांधीवादी विचारक आर्यरत्ने करेंगे उदघाटन

पांच दिवसीय अधिवेशन में देश-विदेश के 400 समाजशास्त्री करेंगे विमर्श

वर्धा, 23 दिसम्बर, 2011; महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा व भारतीय सामाजिक विज्ञान अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में पांच दिवसीय (27-31 दिसम्बर) 35वां भारतीय समाज विज्ञान अधिवेशन का आयोजन वर्धा विश्वविद्यालय परिसर में किया जा रहा है। इस अधिवेशन में शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व और न्यायपूर्ण विश्व, विषय पर वैचारिक विमर्श किया जाएगा। सामाजिक विज्ञान के विविध क्षेत्रों से 19 रिसर्च कमिटी और 21 थिमेटिक पैनलों के अंतर्गत तीन सौ से ज्यादा शोध-प्रपत्र पढे जाएंगे। श्रीलंका के महान गांधीवादी विचारक श्री आर्यरत्ने अधिवेशन का उदघाटन 27 दिसम्बर को 9.30 बजे करेंगे। 31 दिसम्बर को शाम 4.30 बजे विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. नामवर सिंह समापन भाषण देंगे।

डॉ.कल्याण कुमार चक्रवर्ती और प्रो.मोहन खेड़कर उदघाटन कार्यक्रम में गेस्ट ऑफ ऑनर होंगे। जेएनयू के प्रो. पी.एस. रामाकृष्णा को पीवी सुखात्मे स्वर्ण पदक उनके पर्यावरण और पारिस्थितिक विज्ञान पर रचनात्मक योगदान के लिए दिया जाएगा। सी.एस.आई.आर. के भूतपूर्व वैज्ञानिक डॉ. आर. एलेंगो को तमिलनाडु के गरीब बस्तियों में विज्ञान के रास्ते समाज को सुगठित करने के लिए एस.पी. सुखात्मे स्वर्ण पदक दिया जाएगा। डॉ.बी.डी.शर्मा को गरीबों और वंचितों के लिए आजीवन संघर्ष के लिए आर.आर.कीथन स्वर्ण पदक से सम्मानित किया जाएगा।

इस पांच दिवसीय अधिवेशन में शांतिपूर्ण सहअस्तित्व तथा न्यायपूर्ण विश्व के लिए एक वैचारिक और सैद्धांतिक ढांचे का विकास, एक नए पारिस्थितिकीय पर्यावरणीय समाज/सभ्यता की ओर, शांतिपूर्ण सह अस्तित्व तथा न्यायपूर्ण विश्व के लिए एक आर्थिक ढ़ांचें का विकास, भारत में सामाजिक समन्वय: शांतिपूर्ण सहअस्तित्व तथा न्यायपूर्ण विश्व के लिए एक नए सूत्र की तलाश, शांतिपूर्ण सहअस्तित्व तथा न्यायपूर्ण विश्व हेतु नया राजनीतिक ढ़ांचा, शांतिपूर्ण सह अस्तित्व तथा न्यायपूर्ण विश्व हेतु लोकतांत्रिक, वैज्ञानिक, शिक्षा, अनुसंधान तथा परीक्षण प्रणाली का विकास और रचनात्मक कार्यसूची: शैक्षणिक, सामाजिक जिम्मेदारी पर विभूति नारायण राय, डॉ.बी.डी.शर्मा, मेधा पाटकर, संदीप पाण्डेय, राजेन्द्र सिंह राणा, असगर अली इंजीनियर, प्रो. रामशरण जोशी, प्रो.इलीना सेन, डॉ. विनायक सेन, प्रो.भालचंद्र मुनगेकर, प्रो.के.एम. श्रीमाली, प्रो.जावेद आलम, डॉ. जया मेहता, डॉ.आर.एम.गौर, प्रो.वेद प्रकाश मिश्र, टी करूणाकरण सहित देशभर से करीब 400 समाज वैज्ञानिक, समाज सेवी एवं विषय विशेषज्ञ सहभागिता कर विमर्श करेंगे।

अधिवेशन आयोजन समिति के अध्यक्ष व विश्वविद्यालय के कुलपति विभूति नारायण राय ने बताया कि अधिवेशन का मुख्य उद्देश्य ज्ञान को मानवता की कसौटी पर परख कर सामाजिक ज्ञान मीमांसा की खोज करना है। उन्होंने बताया कि क्रिसमस के समय में जब दुनियाभर में तापमान का पारा औसत से नीचे है। ऐसे में शांति पूर्ण सहअस्तित्व के लिए गांधीजी की मुख्य कर्मभूमि पर आयोजित इस अधिवेशन के द्वारा सामाजिक समरसता व मानवीय मूल्यों के विकास में मदद मिलेगी।

-अमित विश्वास